



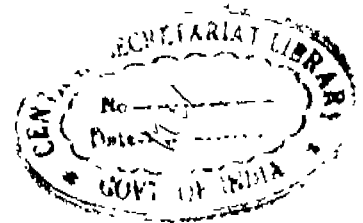
# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 546 ]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 30, 1996/आश्विन 8, 1918

No. 546 ]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 30, 1996/ASVINA 8, 1918

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1996

(आयकर)

का.आ. 667(अ).—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (15) के उपखंड (iv) की मद (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा विद्युत वित्त निगम लि., नई दिल्ली द्वारा जारी किये गये 250 करोड़ रुपये की कुल धनराशि प्रत्येक एक लाख रुपये के 00001 से 25000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 7 वर्षीय 10.5% प्रति वर्ष (कर मुक्त) प्रतिभूत मोचनीय पी.एफ.सी. बंधपत्र-2003-VI श्रृंखला को उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है।

परन्तु उक्त मद के अन्तर्गत लाभ तभी ग्राह्य होगा यदि ऐसे बन्धपत्रों का धारक अपना नाम तथा धृति उक्त निगम के पास पंजीकृत करता है।

[अधिसूचना सं. 10205/फा. सं. 178/24/96-आई.टी.ए-1]

एच. के. चौधरी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1996

(INCOME TAX)

S.O. 667 (E).—In exercise of the powers conferred by item (h) of sub-clause (iv) of clause (15) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies 7 years 10.5% per annum (Tax-free) Secured Redeemable PFC Bonds-2003-VI Series bearing distinctive numbers from 00001 to 25000 of rupees one lakh each of the aggregate value of rupees two hundred and fifty crores only, issued by the power Finance Corporation limited, New Delhi, for the purpose of the said item :

Provided that the benefit under the said item shall be admissible only if the holder of such bonds registers his name and the holding with the said Corporation.

[Notification No. 10205/F. No. 178/24/96-ITA-1]

H. K. CHOUDHARY, Under Secy.

